हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "ए" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 343 | देहरादून सोमवार 09 मार्च 2026 | मूल्य :रू 2 | पृष्ठ : 8

सीएम धामी ने किया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वरिष्ठ मातृशक्ति का सम्मान नारी तू नारायणी कार्यक्रम में प्रतिभाग

- 38 वरिष्ठ महिलाओं को किया सम्मानित, कहा "पहाड़ की असली ताकत उसकी मातृशक्ति"

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्य सेवक सदन, देहरादून में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वरिष्ठ मातृशक्ति का सम्मान ष्नारी तू नारायणीष् कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने शिक्षा, समाज सेवा, उद्यमिता, पर्यावरण संरक्षण, कृषि, संस्कृति, जल संरक्षण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाली राज्यभर से 38 वरिष्ठ महिलाओं को सम्मानित किया।मुख्यमंत्री ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आज उन महिलाओं का सम्मान हो रहा है, जिनके त्याग, संघर्ष, स्नेह और संस्कारों ने परिवार, समाज और राष्ट्र की नींव को मजबूत किया है। उन्होंने कहा महिलाओं के स्नेह, त्याग और आशीर्वाद से पीढ़ियाँ आगे बढ़ती हैं और समाज निरंतर प्रगति करता है। महिलाएं, मां के रूप में अपने जीवन के प्रत्येक सुख को त्यागकर अपने बच्चों को आगे बढ़ाती हैं।मुख्यमंत्री ने कहा वरिष्ठ महिलाएं, परिवारों के साथ संस्कृति, परंपरा और जीवन मूल्यों की रक्षक भी हैं।उन्होंने कहा उत्तराखंड की मातृशक्ति का योगदान और भी अधिक प्रेरणादायी और गौरवपूर्ण है। हमारे प्रदेश की महिलाएं परिवार को संभालने के साथ खेत-खलिहानों को संवारती हैं। राज्य की महिलाएं कठिन परिस्थिति में भी मजबूती से आगे बढ़ती हैं। उत्तराखंड की माताओं ने अपने त्याग, परिश्रम और अदम्य साहस से इस राज्य को आगे बढ़ाया है। पहाड़ की असली ताकत उसकी मातृशक्ति है।मुख्यमंत्री ने कहा वरिष्ठ नागरिकों, वृद्ध माताओं की सेवा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। राज्य सरकार, महिलाओं-विशेषकर वरिष्ठ महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेकों कल्याणकारी योजनाएँ चला रही है। राज्य सरकार, वृद्धावस्था पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। बुजुर्गों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के साथ राज्य के विभिन्न जिलों में वृद्धाश्रमों की व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क धार्मिक यात्राओं की सुविधा दे रही है। उन्होंने कहा सरकार का संकल्प है कि उत्तराखंड की हर वृद्ध माता को सम्मान, सुरक्षा और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का पूरा अवसर मिल सके।कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाली महिलाएं समाज के लिए भी प्रेरणादाई होती हैं। उन्होंने कहा जो व्यक्ति सक्रिय रहेगा वही जीवंत भी रहेगा। सक्रियता जीवन को संपन्न बनती है। उन्होंने कहा महिला सशक्तिकरण की शुरूआत स्वयं अपने घर से शुरू होकर समाज और देश में जाएगी। महिलाएं हमेशा अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करती है। महिला शक्ति ही वह शक्ति है जो परिवार के साथ समाज और देश का भी निर्माण करती हैं।

महिला दिवस पर ब्लड बैंक खुला, महिलाओं का सम्मान

देहरादून(संवाददाता)। महिला दिवस पर पर्वतीय मानव उत्थान समिति की ओर से हरिद्वार रोड स्थित उत्तराखंड ब्लड सेंटर का शुभारंभ किया। समिति के प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि यह केंद्र विशेषकर मातृ एवं प्रसवकालीन आपात स्थितियों, गंभीर बीमारियों और दुर्घटनाओं में सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराकर जीवनरक्षक सिद्ध होगा और दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों तक मदद पहुंचाएगा। मुख्य अतिथि बाल कल्याण समिति की अध्यक्षा नमिता ममगाईं ने रक्तदान-महादान का संदेश दिया और नियमित रक्तदान की अपील की। इस दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रही मातृशक्ति को सम्मानित भी किया गया। इस दौरान पूर्व सूचना आयुक्त व वरिष्ठ पत्रकार योगेश भट्ट, हेमलता, दून सारथी सोसाइटी की अध्यक्षा रेखा वर्मा और राज्य सहकारी संघ के पूर्व अध्यक्ष मातबर सिंह, राहुल फर्स्वाण और सुनील पंत आदि मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने दिवंगत पूर्व सैनिक की पुत्री को लैपटॉप भेंट किया

देहरादून(संवाददाता)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने अपने कैंप कार्यालय में दिवंगत पूर्व सैनिक की पुत्री देहरादून के जैंतनवाला निवासी कशिश थापा को उपनल के सीएसआर मद से पठन-पाठन के लिए लैपटॉप प्रदान किया। गौरतलब है कि दिवंगत पूर्व सैनिक राइफलमैन अशोक कुमार थापा की धर्मपत्नी वीर नारी कविता थापा ने अपनी पुत्री की पढ़ाई के लिए कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी से लैपटॉप उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था, जिस पर मंत्री जोशी ने तुरंत संज्ञान लेते हुए लैपटॉप उपलब्ध कराया।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कशिश थापा को शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति आज हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है और समाज तथा राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। कैबिनेट मंत्री जोशी ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी आजीविका संवर्धन के लिए स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उन्हें मजबूत बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गुच्छुपानी एवं अन्य क्षेत्र में आपदा में क्षतिग्रस्त दुकानों से प्रभावित 15 परिवारों को मुख्यमंत्री राहत कोष से ध्40-40 हजार की सहायता राशि के चेक भी वितरित किए। उन्होंने इस सहायता के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार आपदा प्रभावित लोगों की हर संभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार...

सड़क पर ओवरटेक के विवाद में मारपीट

देहरादून(संवाददाता)। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के नंदा की चौकी के पास बुधवार शाम ओवरटेक करने को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने कार सवार युवकों पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में पौंधा निवासी रोहित नेहरा, गौरव और शिवम गंभीर रूप से घायल हो गए। रोहित के सिर पर टांके आए हैं। एसओ प्रेमनगर कुंदन राम ने बताया कि रोहित की ओर से दी गई तहरीर के अनुसार बोलेरो सवार सुशील यादव और हिमांशु कुकरेती ने अपने 8-10 अन्य साथियों के साथ मिलकर उनके साथ होली की देर शाम करीब सात बजे पौंधा इलाके में मारपीट की। इस दौरान उनकी स्विफ्ट कार को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया और एक सोने की चेन भी गिर गई।

रेडक्रॉस ने छात्रावास में मनाया महिला दिवस, छात्राओं को किया जागरूक

देहरादून(संवाददाता)। जिला रेडक्रॉस शाखा द्वारा बनियावाला स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका छात्रावास में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. सुनीता टम्टा ने इस वर्ष की थीम शगिव टू गेनश पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को परस्पर सहयोग व उदारता के लिए प्रेरित किया।

महिला दिवस पर गैस के दाम बढ़ाना धोखा : आप

देहरादून(संवाददाता)। आम आदमी पार्टी ने महिला दिवस पर एलपीजी सिलेंडर के दाम 60 रुपये बढ़ाने पर प्रदेश सरकार को घेरा है। आप के प्रदेश समन्वय सदस्य शरद जैन ने कहा कि भाजपा सरकार ने महंगाई बढ़ाकर महिलाओं को सिर्फ निराशा दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सशक्तिकरण का दिखावा कर रही है, जबकि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

औषधीय और सुगंधित पौधे: स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण

डब्ल्यूडब्ल्यूडी को सीआईटीईएस (वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर समझौते) को स्वीकार करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।डब्ल्यूडब्ल्यूडी 2026 का विषय औषधीय और सुगंधित पौधे: स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण है, जो स्वास्थ्य और आजीविका के लिए पादप संबंधी संसाधनों के महत्व पर प्रकाश डालता है।लगभग 15,000 औषधीय पौधों की प्रजातियों के साथ भारत जैव विविधता से समृद्ध 17 विशाल देशों में से एक है। इनमें से 8,000 का उपयोग भारतीय औषधियों में किया जाता है जिससे यह औषधीय और सुगंधित पौधों के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण केंद्रों में से एक बन गया है।राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली की ओर से संरक्षित 9,361 औषधीय और सुगंधित पौधों के साथ भारत प्राकृतिक पर्यावास और उससे बाहर विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण के प्रयासों के माध्यम से सक्रिय रूप से औषधीय और सुगंधित पौधों को नष्ट होने से बचाने में लगा हुआ है।विश्व में प्रति वर्ष 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से वन्य जीवों और वनस्पतियों के सम्मान और लोगों तथा पृथ्वी के लिए उनके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए घोषित यह दिन वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर समझौते (सीआईटीईस) को स्वीकार करने का प्रतीक है जो यह सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक प्रतिबद्धता को मजबूत करता है कि वन्यजीवों से संबंधित व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है। यह दिवस इस बात को रेखांकित करता है कि वन्यजीव न केवल प्रकृति की सुंदरता का हिस्सा हैं बल्कि खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, आजीविका, जलवायु परिवर्तन से निपटने की सामर्थ्य और सतत विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे समय में जब जैव विविधता को वन्यजीवों के निवास स्थान के विनाश, अत्यधिक शोषण, अवैध व्यापार और जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है तब विश्व वन्यजीव दिवस वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जैविक संसाधनों के संरक्षण और स्थायी रूप से उपयोग करने के लिए एक वैश्विक आह्वान है।विश्व वन्यजीव दिवस 2026 का विषय - औषधीय और सुगंधित पौधे: स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण - दवाइयों के लिए उपयोग में लाए जाने वाले पौधों के महत्व, सांस्कृतिक परंपराओं को बचाने में उनकी भूमिका और स्थानीय समुदायों को उनसे होने वाली आय पर बल देता है। संपूर्ण विश्व में विकासशील के 70-95 प्रतिशत लोग आधारभूत स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पारंपरिक औषधियों पर निर्भर करते हैं जिसमें से अधिकतर पौधों से मिलने वाले संसाधनों से प्राप्त होती हैं। औषधीय और सुगंधित पौधे पारंपरिक औषधीय प्रणाली की नींव हैं और आधुनिक दवा निर्माण उद्योग में भी अहम योगदान देते हैं। स्वास्थ्य के लिए उपयोग के अतिरिक्त ये पौधे परागण के लिए कीट और पक्षियों की सहायता करके, मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर और जैव विविधता को बढ़ाकर पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करते हैं। इसलिए उनका संरक्षण विशेष रूप से भारत जैसे से भरपूर देशों के लिए वैश्विक प्राथमिकता का विषय है।भारत में औषधीय और सुगंधित पौधों की समृद्ध जैव विविधतावन्यजीव दिवस 2026 का विषय भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। भारत जैव विविधता से समृद्ध विश्व के 17 विशाल देशों में से एक है और विश्व की जैव-विविधता का 7 प्रतिशत भाग इसी देश में है। यहां 15 कृषि-जलवायु क्षेत्र, 45,000 विभिन्न पौधों की प्रजातियां हैं जिनमें से 15,000 औषधीय पौधे हैं। इनमें से लगभग 8,000 प्रजातियों का उपयोग भारतीय चिकित्सा प्रणालियों और लोक चिकित्सा प्रणालियों में किया जाता है। भारत के लगभग 70 प्रतिशत औषधीय और सुगंधित पौधे (एमएपी) पश्चिमी और पूर्वी घाट, हिमालय और अरावली क्षेत्र के उष्णकटिबंधीय जंगलों में पाए जाते हैं।भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण ने 5,250 से अधिक पौधों की प्रजातियों की पहचान की है और विभिन्न रोगों के संबंध में उपयोग के लिए 9,567 से अधिक लोक दावों का प्रलेखण किया है। भारत इस समृद्ध विरासत की रक्षा के लिए कड़े कदम उठा रहा है। राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) की ओर से औषधीय पौधों के संरक्षण और सतत प्रबंधन के लिए समर्पित योजना चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण, अनुसंधान और विपणन में सहायता प्रदान की जाती है। ये प्रयास औषधीय पौधों की अपनी समृद्ध विरासत की सुरक्षा के लिए भारत की मजबूत और अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। संरक्षण तंत्रभारत ने औषधीय और सुगंधित पौधों की अपनी समृद्ध विरासत को बचाने के लिए मजबूत और कई स्तरों वाला तरीका अपनाया है।

एआई के साथ बदलता भारत: 10,300 करोड़ से अधिक का निवेश और 38,000 ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) समावेशी नवाचार को सक्षम बना रहे हैं

मुख्य अंश इंडियाएआई मिशन के लिए पांच वर्षों के दौरान 10,300+ करोड़ आवंटित, 38,000 जीपीयू तैनात।

प्रौद्योगिकी और एआई इकोसिस्टम में 60 लाख लोग काम कर रहे हैं। इस वर्ष भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में राजस्व के +280 बिलियन का आंकड़ा पार कर जाने का अनुमान है। वर्ष 2035 तक एआई भारत की अर्थव्यवस्था में +1.7 ट्रिलियन जोड़ सकता है।भूमिका भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा संचालित एक नए युग की कगार पर खड़ा है, जहाँ प्रौद्योगिकी जिन्दगियां बदल रही है और देश की प्रगति को आकार दे बना रही है। एआई अब केवल शोध प्रयोगशालाओं या बड़ी कंपनियों तक ही सीमित नहीं है। यह हर स्तर पर नागरिकों तक पहुँच रहा है। दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच को बेहतर बनाने से लेकर किसानों को फसल के बारे में पूरी जानकारी के साथ निर्णय लेने में मदद करने तक, एआई दैनिक जीवन को सरल, स्मार्ट और अधिक कनेक्टेड बना रहा है। यह व्यक्तिगत शिक्षा के माध्यम से कक्षाओं में क्रांति ला रहा है, शहरों को साफ और सुरक्षित बना रहा है, और तेज, डेटा-आधारित शासन के माध्यम से सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बना रहा है।इंडियाएआई मिशन और एआई उत्कृष्टता केंद्र जैसी पहलें इस परिवर्तन के केंद्र में हैं। ये कंप्यूटिंग पॉवर तक पहुँच का विस्तार कर रही हैं, अनुसंधान का समर्थन कर रही हैं, और स्टार्टअप्स तथा संस्थानों को ऐसे समाधान तैयार करने में मदद कर रही हैं, जिनसे लोगों को सीधे लाभ पहुँचे। भारत का दृष्टिकोण एआई को खुला, किफायती और सुलभ बनाने पर केंद्रित है, यह सुनिश्चित करते हुए कि नवाचार समाज को समग्र रूप से उन्नत करे।त्रिम बुद्धिमत्ता क्या हैकृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) वह क्षमता है जो मशीनों को ऐसे कार्य करने में सक्षम बनाती है जिनके लिए सामान्यत: मानव बुद्धिमत्ता की आवश्यकता होती है। यह सिस्टम्स को अनुभव से सीखने, नई परिस्थितियों के अनुकूल ढलने, और जटिल समस्याओं को स्वतंत्र रूप से हल करने में सक्षम बनाती है। एआई डेटा सेट, एल्गोरिदम और बड़े भाषा मॉडल का उपयोग करके जानकारी का विश्लेषण करता है, पैटर्न पहचानता है, और प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न करता है। समय के साथ, ये सिस्टम्स अपनी प्रदर्शन क्षमता में सुधार करती हैं, जिससे वे मनुष्यों के समान तर्क कर सकें, निर्णय ले सकें, और संवाद कर सकें।यह समावेशी दृष्टिकोण नीति आयोग की रिपोर्ट, समावेशी सामाजिक विकास के लिए एआई (अक्टूबर 2025) में भी परिलक्षित होता है। रिपोर्ट दिखाती है कि कैसे एआई भारत के 49 करोड़ अनौपचारिक श्रमिकों को स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कौशल विकास, और वित्तीय समावेशन तक पहुँच प्रदान करके सशक्त बना सकता है। यह रेखांकित करती है कि एआई-आधारित उपकरण लाखों ऐसे लोगों की उत्पादकता और लचीलेपन को बढ़ा सकते हैं, जो भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। रिपोर्ट इस बात पर भी जोर देती है कि प्रौद्योगिकी गहरी सामाजिक और आर्थिक खाइों को पाट सकती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि एआई के लाभ हर नागरिक तक पहुँचें।वर्तमान में भारत में एआई इकोसिस्टमभारत का प्रौद्योगिकी क्षेत्र तेजी से विस्तार कर रहा है, इस वर्ष इसके वार्षिक राजस्व के 280 बिलियन अमेरिकी डॉलर का आंकड़ा पार कर जाने का अनुमान है।प्रौद्योगिकी और एआई इकोसिस्टम में 60 लाख से अधिक लोग काम कर रहे हैं।देश में 1,800 से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्र हैं, जिनमें 500 से अधिक एआई पर केंद्रित हैं।भारत में लगभग 1.8 लाख स्टार्टअप्स हैं, और पिछले वर्ष लॉन्च हुए नए स्टार्टअप्स में से लगभग 89 प्रतिशत ने अपने उत्पादों या सेवाओं में एआई का उपयोग किया।नैसकॉम एआई एडॉप्शन इंडैक्स पर, भारत ने 4 में से 2.45 अंक प्राप्त किए हैं, जिससे पता चलता है कि 87 प्रतिशत उद्यम सक्रिय रूप से एआई समाधान का उपयोग कर रहे हैं।एआई अपनाने में अग्रणी क्षेत्र हैं: औद्योगिक और ऑटोमोटिव, उपभोक्ता वस्तुएँ और खुदरा क्षेत्र, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ तथा बीमा और स्वास्थ्य सेवा। ये मिलकर एआई के कुल मूल्य का लगभग 60 प्रतिशत का योगदान करते हैं।जैसे-जैसे भारत एक समावेशी एआई इकोसिस्टम का निर्माण कर रहा है, इसकी बढ़ती वैश्विक मान्यता इस प्रगति को दर्शाती है। स्टैनफोर्ड एआई सूचकांक जैसी रैंकिंग भारत को एआई कौशल, क्षमताओं और नीतियों में शीर्ष चार देशों में स्थान देती है। देश गिटहब पर एआई परियोजनाओं में दूसरा बसे बड़ा योगदानकर्ता भी है, जो इसके डेवलपर समुदाय की ताकत को उजागर करता है। एक मजबूत स्ज्ञज्ञवरू (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी, गणित) कार्यबल, विस्तृत अनुसंधान इकोसिस्टम, और बढ़ती डिजिटल अवसंरचना के साथ, भारत आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, और 2047 तक विकसित भारत के दीर्घकालिक विजन को साकार करने हेतु एआई का उपयोग करने के लिए खुद को तैयार कर रहा है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे एआई-प्रतिस्पर्धी देश हैस्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के 2025 ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी टूल की रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रतिस्पर्धात्मकता में वैश्विक स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया है। यह रैंकिंग वैश्विक एआई परिदृश्य में भारत के तेज विकास को उजागर करती है। रिपोर्ट 2017 से 2024 तक एआई विकास और नवाचार को मापती है। यह हालिया उपलब्धि भारत की तेजी से बढ़ती एआई प्रतिभा, मजबूत अनुसंधान क्षमताओं, जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम, निवेश और आर्थिक प्रभाव, अवसंरचना, और नीति तथा शासन को रेखांकित करती है।इंडिया एआई मिशनभारत में एआई बनाना और एआई को भारत के लिए कारगर बनाना के विजन से प्रेरित होकर, कैबिनेट ने मार्च 2024 में इंडियाएआई मिशन को मंजूरी दी, जिसका पांच वर्षों के लिए बजट 10,371.92 करोड़ है। यह मिशन भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता में वैश्विक नेता बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।अपने लॉन्च से ही, मिशन ने देश की कंप्यूटिंग अवसंरचना के विस्तार में मजबूत प्रगति क है। 10,000 जीपीयू के प्रारंभिक लक्ष्य से, भारत ने अब 38,000 जीपीयू हासिल कर लिए हैं, जो विश्व-स्तरीय एआई संसाधनों तक किफायती पहुँच प्रदान करते हैं।जीपीयू क्या हैजीपीयू या ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट एक शक्तिशाली कंप्यूटर चिप है जो मशीनों को तेजी से सोचने, छवियों को संसाधित करने, एआई प्रोग्राम चलाने, और जटिल कार्यों को सामान्य प्रोसेसर की तुलना में अधिक कुशलता से संभालने में मदद करती है।इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक स्वतंत्र व्यापार प्रभाग, इंडियाएआई द्वारा कार्यान्वित यह मिशन एक व्यापक इकोसिस्टम का निर्माण कर रहा है जो नवाचार को प्रोत्साहित करता है, स्टार्टअप्स को समर्थन देता है, डेटा तक पहुँच को मजबूत करता है, और सार्वजनिक हित के लिए एआई का जिम्मेदार उपयोग सुनिश्चित करता है।इंडियाएआई मिशन के सात स्तंभ हैं:1. इंडियाएआई कंप्यूट स्तंभयह स्तंभ किफायती लागतों पर उच्च-स्तरीय जीपीयू उपलब्ध कराता है। जैसा कि पहले बताया गया, 38,000 से अधिक जीपीयू शामिल किए गए हैं। ये जीपीयू केवल 65 प्रति घंटा की सब्सिडी दर पर उपलब्ध हैं।2. इंडियाएआई एप्लिकेशन डिवेलपमेंट पहलयह स्तंभ विशिष्ट रूप से भारत की चुनौतियों के लिए एआई एप्लीकेशन विकसित करता है। इसमें स्वास्थ्य सेवा, कृषि, जलवायु परिवर्तन, शासन, और सहायक शिक्षण प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। जुलाई 2025 तक तीस एप्लीकेशंस को मंजूरी दी गई है। मंत्रालयों और संस्थानों के साथ क्षेत्र-विशिष्ट हैकथॉन आयोजित किए जाते हैं। उदाहरण के लिए, साइबरगार्ड एआई हैकथॉन साइबरसुरक्षा के लिए एआई समाधान विकसित करने में मदद करता है।3. एआईकोश (डेटासेट प्लेटफॉर्म)एआईकोश एआई मॉडल्स के प्रशिक्षण के लिए बड़े डेटासेट विकसित करता है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

संक्षिप्त समाचार...

रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के खिलाफ यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन

हरिद्वार(संवाददाता)। रसोई गैस के दाम में 60 रुपये की बढ़ोतरी के विरोध में रविवार को यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ऋषिकुल तिराहे पर प्रदर्शन किया। कार्यकारी अध्यक्ष विशाल प्रधान के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए। घरेलू सिलेंडर की बढ़ी कीमतें वापस लेने की मांग जोर-शोर से उठाई। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोम त्यागी ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण आम आदमी पर महंगाई का बोझ बढ़ता जा रहा है। रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का घरेलू बजट बिगड़ रहा है। कांग्रेस नेता मनोज सैनी ने कहा कि सरकार को तुरंत रसोई गैस के दाम कम करने चाहिए, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके। पूर्व सभासद अशोक शर्मा ने कहा कि महंगाई से जनता परेशान है, लेकिन सरकार जनसमस्याओं को अनदेखा कर रही है।इस प्रदर्शन में सरिता शर्मा, अनिल ठाकुर, धर्मपाल, आनंद राठौर, राहुल राठौर, निखिल सोदाई, जावेद आलम, नरेंद्र जोगी, ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्र, विष्णु, शुभम रावत, शिवम वाल्मीकि, अक्षय सैनी, मुस्तकीम, दीपक गौतम, जीतू, सार्थक ठाकुर, रवि विमल और सौरभ सैनी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।रसोई चलाना मुश्किल कर दिया: प्रधानयूथ कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष विशाल प्रधान ने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाकर सरकार ने आम लोगों के लिए रसोई चलाना मुश्किल कर दिया है। कांग्रेस नेता संजय सैनी ने चेताया कि यदि रसोई गैस की कीमतें कम नहीं की गई तो कांग्रेस बड़ा आंदोलन करेगी।

मिर्गी का दौरा पड़ने से ट्रैक्टर चालक की मौत

हरिद्वार(संवाददाता)। खासन नदी के गेट नंबर-3 नौरंगाबाद क्षेत्र में खनन के दौरान मिर्गी का दौरा पड़ने से ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। श्यामपुर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। पुलिस के अनुसार, शव का पंचनामा भरकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार, खासन नदी क्षेत्र में वन विकास निगम की देखरेख में खनन चल रहा है, जहां बड़ी संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉलियां और डंपर खनन सामग्री निकालने में जुटे हुए हैं। इसी दौरान मोनू (40) पुत्र जयप्रकाश निवासी बिशनपुर खनन में लगे ट्रैक्टर को चला रहा था। बताया जा रहा कि वह खनन सामग्री से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर नदी से बाहर निकलने का प्रयास कर रहा था। तभी उसे अचानक मिर्गी का दौरा पड़ गया और वह ट्रैक्टर से नीचे गिर पड़ा। इस कारण उसके सिर पर गंभीर चोट लग गई। मौके पर मौजूद साथियों ने उसे तुरंत एक अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

शांति व्यवस्था भंग करने वालों पर रानीपुर पुलिस का एक्शन, पांच गिरफ्तार

हरिद्वार(संवाददाता)। रानीपुर कोतवाली पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, सात मार्च को फाउंड्री गेट के पास राजन कुमार निवासी घास मंडी ज्वालापुर को नशे की हालत में एक महिला से झगड़ा करते हुए पकड़ा गया। टिबड़ी कॉलोनी से विकास कुमार को अपनी पत्नी और उसके परिजनों के साथ नशे की हालत में मारपीट करने के आरोप में पकड़ा गया। दादूपुर गोविंदपुर में संपत्ति विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट पर साजिद, साहिल और सुहेब को गिरफ्तार किया गया।

घर में घुसकर हमला करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार(संवाददाता)। सिडकुल थाना क्षेत्र के एक घर में घुसकर परिवार पर जानलेवा हमला और फायरिंग में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि, बाकी फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, पांच मार्च को प्रमोद पाल की तहरीर पर सिडकुल थाने में आरोपी राजीव पाल समेत कई आरोपियों पर मुकदमा दर्ज किया गया था। पीड़ित ने बताया कि आरोपी लाठी-डंडे, तलवार और तमंचे लेकर उनके घर में घुसे। प्रमोद और उनके परिवार से गाली-गलौज और मारपीट की गई। आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायर भी किया। इसके बाद एसएसपी के निर्देश पर उपनिरीक्षक अनिल बिष्ट को जांच सौंपी गई। सात मार्च को पुलिस ने आरोपी जतिन उर्फ भारत निवासी गोंडा, राजीव पाल निवासी मुजफ्फरनगर, रोहन सिंह निवासी बिजनौर और सागर निवासी सहारनपुर को पकड़ लिया। बाकी आरोपियों की तलाश में दबिश जारी है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर परेड ग्राउंड देहरादून में महिला दौड़ प्रतियोगिता का सफल आयोजन

देहरादून (संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर परेड ग्राउंड देहरादून में महिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता एवं फन एक्टिविटी कार्यक्रम का उत्साहपूर्ण माहौल में सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम युवा मामलों एवं खेल मंत्रालय, माय भारत तथा भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं और बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता को तीन आयु वर्गों ख़ अंडर-13 वर्ष, 13 से 18 वर्ष तथा 18 वर्ष से अधिक ख़ में आयोजित किया गया। इन वर्गों में 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर दौड़ प्रतियोगिताएँ कराई गईं तथा फन एक्टिविटी के अंतर्गत रस्साकशी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय कॉमनवेल्थ विजेता सुशीला राणा उपस्थित रहीं। अंडर-13 वर्ष वर्ग 100 मीटर रेस में प्रथम जोया अली, द्वितीय आरिका नेगी, तृतीय नंदनी रही। 200 मीटर रेस में प्रथम जोया अली, द्वितीय आरीका नेगी, तृतीय कुमारी शौर्या रही। 400 मीटर रेस में प्रथम जोया अली, द्वितीय आरिका नेगी, तृतीय नंदिनी रही। 13 से 18 वर्ष वर्ग में 100 मीटर रेस में प्रथम दीपांशी तोमर, द्वितीय सलोनी, तृतीय दिव्यांशी रही। 200 मीटर रेस में प्रथम दीपांशी तोमर, द्वितीय सलोनी, तृतीय रितिका रावत रही। 400 मीटर रेस में प्रथम रितिका रावत, द्वितीय पल्लवी रावत, तृतीय प्रेरणा रही। 18 वर्ष से अधिक वर्ग में 100 मीटर रेस में प्रथम अंशिका चौहान, द्वितीय दिव्यांशी गोयल, तृतीय शगुन रतूड़ी रही। 200 मीटर रेस में प्रथम अंशिका, द्वितीय शगुन रतूड़ी, तृतीय सीमा राणा रही। 400 मीटर रेस में प्रथम अंशिका चौहान, द्वितीय सीमा राणा, तृतीय माही सिंह रही। माई भारत देहरादून उपनिदेशक मोनिका नांदल ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन महिलाओं और बालिकाओं को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हैं तथा समाज में महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंत में सभी खिलाड़ियों को सर्टिफिकेट एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम में खेलो इंडिया से पास्ट चौंपियन एथलीट सुनील कुमार, खेल विभाग कोच संदीप,अमित, प्रवेश बृजवाल, आसिफ हसन, आशीष सगोई, सुमन आदि मौजूद रहे।

पेंशनर्स की एकता जरूरी, 2040 के बाद ढूंढने से भी नहीं मिलेंगे पेंशनर: भट्ट

हरिद्वार(संवाददाता)। पूर्व आईएएस अफसर चंद्रशेखर भट्ट ने कहा है कि देश में पेंशनर्स की संख्या लगातार घटती रही है। वर्ष 2040 के बाद ऐसी स्थिति भी आ सकती है कि पेंशनर्स ढूंढने से भी नहीं मिलेंगे। इसलिए, पेंशनर्स की एकता और संगठन पहले से अधिक जरूरी हो गया है। वे रविवार को ऋषिकुल ऑडिटोरियम में गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन (जीपीडब्ल्यूओ) के रजत जयंती महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि राजशाही काल में सेवकों की आर्थिक सुरक्षा के लिए पेंशन व्यवस्था शुरू की गई थी, पर समय के साथ इसके स्वरूप में बदलाव किया जाता रहा। उन्होंने पेंशनर्स से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और संगठित रहने का आह्वान किया। अति विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड आयुर्वेद विवि के पूर्व कुलपति प्रो. सुनील कुमार जोशी ने कहा कि बढ़ती उम्र में आपसी मेलजोल, सामाजिक सक्रियता और संगठनात्मक गतिविधियां बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं। उत्तराखंड संस्कृत विवि के कुलपति प्रो. रमाकांत पांडेय ने राष्ट्र और समाज निर्माण में पेंशनर्स की महत्वपूर्ण भूमिका को बताया। जिलाध्यक्ष बीपी चौहान की अध्यक्षता, महामंत्री जेपी चाहर और प्रकाश जोशी के संयुक्त संचालन में आयोजित इस महोत्सव में विभिन्न जिलों से पहुंचे वक्ताओं ने सेवानिवृत्ति के बाद भी पेंशनर्स की सामाजिक और राष्ट्रीय विकास में उपयोगिता पर जोर दिया। दूसरे सत्र में फूलों की होली के साथ समापन हुआ। इस दौरान एमपी सिंह गोयल, मिट्ठन लाल शर्मा, अतर सिंह, वीके गुप्ता, ओपी तिवारी, एमके अग्रवाल, बीपी सिंह सैनी, सुखवंश सिंह और आरडी अग्रवाल सहित कई सदस्य पहुंचे।

सत्यापन अभियान में 49 लोगों का सत्यापन, 49 मकान मालिकों के चालान

रुड़की(संवाददाता)। आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए भगवानपुर पुलिस ने रविवार को बाहरी प्रदेशों से आकर क्षेत्र में रहकर काम करने वाले लोगों के खिलाफ सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान 49 लोगों का सत्यापन किया गया, जबकि किरायेदारों का सत्यापन न कराने पर 49 मकान मालिकों के 10-10 हजार रुपये के चालान किए गए। रविवार को भगवानपुर थाना पुलिस ने क्षेत्राधिकारी के निर्देशन में किरायेदारों, घरेलू नौकरों तथा बाहरी राज्यों से आकर फैक्ट्रियों, गुड़ चरखियों, कोल्हुओं और ठेली आदि पर काम करने वाले लोगों के सत्यापन के लिए अभियान चलाया। इसके लिए पुलिस की कई टीमों का गठन किया गया। सभी टीमों ने भगवानपुर क्षेत्र के पुहाना गांव में पहुंचकर सत्यापन अभियान चलाया।

अधिवेशन में बुजुर्गों और अतिथियों को किया सम्मानित

रुड़की(संवाददाता)। गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन का रविवार को 32वां वार्षिक अधिवेशन धूमधाम से आयोजित किया गया। अधिवेशन में 90 वर्ष से अधिक आयु के सात सदस्यों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही स्मारिका 2026 का भी विमोचन किया गया। रविवार को आयोजित अधिवेशन की अध्यक्षता संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष बची सिंह रावत ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उत्तराखंड संस्कृत भारती के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आनंद भारद्वाज रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सीएमएस डॉ. अरविंद कुमार मिश्रा, कोषागार के कोषाधिकारी शिवेंद्र कुमार व नगर विधायक प्रदीप बत्रा रहे। सभी अतिथियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप जलाकर और मां सरस्वती की वंदना के साथ किया। कार्यक्रम में संगठन के वरिष्ठ सदस्यों को उनकी आयु के आधार पर माला, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं 90 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सात सदस्यों को विशेष सम्मानित किया गया। इस मौके पर स्मारिका 2026 का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में रुड़की के ब्रांड एंबेसडर यतेंद्र कुमार चौधरी, मोनू जलवीर और तेजस्व को भी उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। अध्यक्ष बची सिंह रावत ने शाखा द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उत्तराखंड में रुड़की शाखा को प्रथम स्थान देने की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान विधायक प्रदीप बत्रा ने रुड़की के वरिष्ठ नागरिकों के लिए डे-केयर यूनिट स्थापित कराने का आश्वासन दिया। इस यूनिट के बाद वरिष्ठ नागरिकों को मनोरंजन और स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। कार्यक्रम में अंबाला से पहुंचे भारत पेंशन समाज के उपाध्यक्ष हंस राज माही ने भी उपस्थित होकर मार्गदर्शन दिया। इस मौके पर अध्यक्ष कुलदीप अग्रवाल, महासचिव बालोराम चौहान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ऋषिपाल चौहान, एसके शर्मा आदि मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

गढ़वाल, आईआईएमटी मेरठ और गढ़वाल हीरोज ने जीते क्वार्टर फाइनल मुकाबले

नई टिहरी(संवाददाता)। टिहरी झील महोत्सव के तहत बौराड़ी स्टेडिएम में संचालित जनरल केएम करिअप्पा फुटबाल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल के मुकाबले में 14,7 गढ़वाल, आईआईएमटी मेरठ, और गढ़वाल हीरोज की टीम ने जीत दर्ज कर सेमीफाइनल मुकाबले में पहुंच गई। विजेता टीमों के बीच सोमवार को सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। बौराड़ी स्टेडियम में जनरल केएम करिअप्पा फुटबाल टूर्नामेंट के तीसरे दिन चार टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में 14 गढ़वाल ने कोटद्वार एफसी को 2-0 से हराया। दूसरे मैच में आईआईएमटी मेरठ ने हरियाणा एफसी को 3-2 से पराजित किया। तीसरे मुकाबले में 7 गढ़वाल राइफल्स ने 13 गढ़वाल राइफल्स की टीम को 1-0 से हराया। टूर्नामेंट के चौथा और अंतिम मुकाबले में गढ़वाल हीरोज की टीम ने 16 गढ़वाल राइफल्स को 1-0 से पराजित किया। टूर्नामेंट से जुड़े दर्शन गुसाईं ने बताया विजेता टीम को 1ध 50 लाख तथा उप विजेता टीम 75 हजार की धनराशि के चेक और ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। जिला फुटबाल संघ टिहरी के सचिव देवेंद्र राणा ने बताया कि जिले के उभरते खिलाड़ी शशांक राणा और अतुल राणा को फुटबाल संघ की ओर से 10-10 हजार रुपये के चेक भेंट किए गए। दोनों खिलाड़ियों ने कई बार राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर फुटबाल टीम का प्रतिनिधित्व किया। असम में संपन्न एआईएफएफ सब जूनियर नेशनल चौंपियनशिप में उन्होंने उत्तराखंड टीम के कोच का प्रतिनिधित्व किया। 2024 में केरल ब्लास्टर्स जीवी राजा अकादमी में कार्य करते हुए टीम को सुब्रतो कप चौंपियन दिलाई। इस मौके पर भवानी दत्त बिजल्वाण, कमल सिंह महर, रविंद्र राणा, प्रोफ़ पीडी सेमल्टी, डॉ यूएस नेगी, डॉ केसी पेटवाल, गोतम बिष्ट, गिरीश उनियाल, डॉ राकेश भूषण गोदियाल आदि मौजूद थे।

लव यू जिंदगी... पर झूम उठे दर्शक

नई टिहरी(संवाददाता)। टिहरी झील महोत्सव की दूसरी सांस्कृतिक संध्या में बॉलीवुड गायक व संगीतकार अमित त्रिवेदी और उनके साथी कलाकारों ने समां बांध दिया। उनके गीतों पर दर्शक देर रात तक पंडाल में झूमते रहे। वहीं सुरगंगा संगीत विद्यालय की ओर से टिहरी पर आधारित नाटक और गंगावतरण के भव्य मंचन ने भी दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। कोटीकॉलोनी में आयोजित कार्यक्रम में जैसे ही अमित त्रिवेदी मंच पर पहुंचे, दर्शकों ने सीटियां और तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। अमित ने 'जय हो जय हो शंकरा' और 'जयकाल महाकाल' से प्रस्तुति की शुरुआत की। इससे भक्तिमय माहौल बन गया। इसके बाद उन्होंने 'लव यू जिंदगी' गीत सुनाकर युवाओं और अधिकारियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने अपने कई लोकप्रिय गीतों और मिश्रित फिल्मी गीतों की भी प्रस्तुति दी। गायिका मेघना मिश्रा ने 'हवा के झोंके आज मौसम से संवार दो', देवेंद्र पाल सिंह ने 'एक कुड़ी बेगाना मोहब्बत', अरुण कांवत ने 'ये फितूर तेरा', जबकि जाह्नवी जैन ने 'ओ रे मन' और 'गूंजा सा है कोई एक तारा' गीत प्रस्तुत कर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। इससे पहले झील में गंगावतरण का प्रभावशाली नाट्य मंचन, भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। 'मेरी प्यारी टिहरी जल में बसी याद' विषय पर आधारित डॉ. विकास फोंदणी के निर्देशन में प्रस्तुत नाटक ने दर्शकों को भावुक कर दिया। नाटक में पुरानी टिहरी के बसने से लेकर उसके उजड़ने तक की मार्मिक कहानी दिखाई गई। नाटक में जशोदा नेगी, गोविंद बिष्ट, देवेंद्र नौडियाल, महिपाल नेगी, त्रिहरि नेगी, अरविंद कोहली ने प्रभावशाली अभिनय किया। इस मौके पर विधायक किशोर उपाध्याय, डीएम नितिका खंडेलवाल, सीडीओ वरूणा अग्रवाल, एसएसपी आयुष अग्रवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मान सिंह रौतेला, कुलदीप पंवार, विजयपाल सिंह रावत, परमवीर पंवार आदि मौजूद रहे।

गौचर में पेयजल संकट, छह से अधिक मोहल्लों में दिक्कत

चमोली(संवाददाता)। गर्मी बढ़ने के साथ ही पालिका क्षेत्र के कुछ वार्डों के छह से अधिक मोहल्लों में पेयजल संकट गहराने लगा है। ऐसे में लोगों को स्रोतों से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है।नगर क्षेत्र के पनाई तल्ली वार्ड, रावलनगर, साकेत नगर, भट्टनगर, द्रोणागिरी और शैल बसंतपुर के कुछ मोहल्लों में जलापूर्ति सुचारु न होने से लोगों के सामने पेयजल संकट बना हुआ है। सभासद चौतन्य बिष्ट, विनोद कनवासी और पूनम रावत का कहना है कि सुबह और शाम कुछ देर के लिए ही पानी की सप्लाई हो रही है लेकिन लाइनों में पानी का पूरा प्रेशर न होने से सभी जगह सप्लाई नहीं पहुंच रही है। वहीं जल संस्थान की अवर अभियंता आइशा कनवासी ने बताया कि साकेत नगर, भट्टनगर, द्रोणागिरी और पनाई तल्ली वार्ड में सुबह-शाम तीन-तीन घंटे पानी की सप्लाई की जा रही है।

भारतीय संस्कृति में महिलाओं का है सर्वोच्च स्थान

रुद्रप्रयाग(संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला डेरी विकास विभाग की ओर से सुमाड़ी स्थित एक होटल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार ने की। जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत ने कहा कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है और महिलाओं के विकास के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने चाहिए। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की अधिशासी अभियंता डॉ. मीनल गुलाटी ने कहा कि एक महिला के शिक्षित होने से दो परिवार शिक्षित होते हैं। सहायक निदेशक भूपेन्द्र सिंह बिष्ट ने बताया कि महिला डेयरी योजना महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है जिससे पलायन पर भी रोक लग सकती है। वहीं दुर्गाधार-चोपता में भारतीय जनता महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सुमन जमलोकी के नेतृत्व में कार्यक्रम हुए।

अलकनंदा और भागीरथी के तट पर किया योग

पौड़ी(संवाददाता)। टिहरी महोत्सव के दूसरे दिन संगम नगरी देवप्रयाग में भक्ति, स्वास्थ्य और साहस का अद्भुत संगम देखने के लिए मिला। महोत्सव के तहत अलकनंदा और भागीरथी के संगम तट पर सामूहिक योग शिविर का आयोजन किया गया। यहां लोगों और तीर्थयात्रियों ने हिमालय की शुद्ध हवा के बीच प्राणायाम और सूर्यनमस्कार का अभ्यास किया। युवाओं ने रॉक क्लाइंबिंग की। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। देवप्रयाग की नक्षत्र वेधशाला का किया भ्रमण: देवप्रयाग। टिहरी महोत्सव 2026 हिमालय o2 के अंतर्गत कई गतिविधियां हुई। इस दौरान 20 प्रतिभागियों और आगंतुकों ने नक्षत्र वेधशाला का भ्रमण किया। उन्होंने सदियों पुराने खगोलीय यंत्रों और दुर्लभ अभिलेखों को देखा। वेधशाला के प्रबंधक डॉ. प्रभाकर जोशी ने बताया कि यह केंद्र प्राचीन काल से ही काल-गणना और खगोलीय घटनाओं के सटीक आकलन का मुख्य आधार रहा है। उन्होंने यहां रखी गई बहुमूल्य पांडुलिपियों, प्राचीन चंद्र घटी, सूर्य घटी और जल घटी सहित तमाम ऐतिहासिक उपकरणों के कार्य को देखा। प्रतिभागियों ने सूर्य घटी से समय की सटीक गणना के प्राचीन भारतीय विज्ञान को गहराई से समझा। डॉ. जोशी ने बताया कि यहां उपलब्ध पांडुलिपियां ज्योतिष, गणित और खगोल शास्त्र के क्षेत्र में हमारे पूर्वजों की महानता का जीवंत प्रमाण हैं। इस मौके पर द हिडेन हिमालय संस्था के अनुदेशक धीरज महर, दीपक, योगा टीचर साक्षी सेमवाल, नरेश नेगी, अंकित, दीपक सिंह आदि मौजूद थे।

मैराथन में उम्मेद सिंह रहे अव्वल

नई टिहरी(संवाददाता)। टिहरी झील महोत्सव के तहत भिलंगना के घनसाली से पिलखी तक पांच किलोमीटर मैराथन हुई जिसमें उम्मेद सिंह राणा पहले, विपिन रगड़वाल दूसरे और अभिषेक बिष्ट ने तीसरा स्थान हासिल किया। खेल एवं फिटनेश को बढ़ावा देन के उद्देश्य से आयोजित मैराथन प्रतियोगिता शुभारंभ भिलंगना ब्लॉक प्रमुख राजीव कंडारी, नगर पंचायत अध्यक्ष आनंद बिष्ट ने हरी झंडी दिखाकर किया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी विपिन सिंह ने बताया पांच किमी अलग-अलग उम्र के 90 महिला और पुरुषों ने प्रतिभाग किया। घनसाली एसडीएम अलकेश नौडियाल कहा कि शरीर को फिट रखने के लिए रोज दौड़ लगानी जरूरी है। इस मौके पर कनिष्ठ प्रमुख कृष्णा गैरोला, दिनेश भजनियाल, मोहित शाह, अमरीश नौटियाल, राजकुमार पाल, शिवप्रसाद गैरोला, डीसी नौटियाल, चंद्रवीर नेगी, महावीर धनियाल आदि मौजूद थे। दूसरी ओर, महोत्सव के तहत पलखी गांव में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लोक गायक अनुराग नौटियाल, सीमा पंगरियाल ने शानदार लोक गीतों की प्रस्तुति दी।

साइकिल ट्रैकरों ने दिया पर्यावरण संरक्षण संदेश

नई टिहरी(संवाददाता)। टिहरी झील महोत्सव के तहत जौनपुर के सुआखोली से देवलसारी तक साहसिक पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण का संदेश को लेकर 53 किलोमीटर की साइकिल ट्रैकिंग हुई। शनिवार रात को साइकिल ट्रैकरों ने पर्यटक स्थल देवलसारी में रात्रि विश्राम कर रविवार को देवलसारी क्षेत्र के ओतड़ होते हुए तीन किमी का ट्रैकिंग की। ट्रैकिंग दल ने प्रसिद्ध पर्यटक स्थल देवलसारी क्षेत्र के कोणेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन कर पहाड़ की सुंदर वादियों आनंद लिया। तहसीलदार बिरम सिंह पंवार ने बताया कि ट्रैकिंग में देश-विदेश के 51 ट्रैकरों ने हिस्सा लिया। साइकिल ट्रैकिंग का उद्देश्य साहसिक पर्यटक के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना था। इस मौके पर जिला उद्यान अधिकारी अरविंद शर्मा, शूरवीर सिंह तोमर, वीरेंद्र दत्त गौड़, अंकित बिष्ट, मनवीर पंवार आदि मौजूद थे।

दिल्ली-6 ने जीता जीपीएल कॉस्को

चमोली(संवाददाता)। गौचर के खेल मैदान में आयोजित जीपीएल कॉस्को क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में दिल्ली-6 ने तूफान एकादश को हराया। प्रतियोगिता में 222 रन और 8 विकेट लेने वाले सचिन को मैन ऑफ द सीरीज घोषित किया गया। रविवार को मैदान में टॉस जीतकर तूफान एकादश ने पहले बल्लेबाजी की। एकादश की ओर से पवन ने 61 रन की मदद से 15 ओवरों में 187 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली-6 की टीम ने 13 ओवरों में ही लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की। दिल्ली-6 की ओर से आयुष ने 31, पारूल ने 35 और सचिन ने 48 रन बनाए। सचिन को मैन ऑफ द मैच दिया गया। आयोजकों की ओर से युवा कल्याण अधिकारी दीपक बिष्ट ने विजेता और उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस दौरान विपुल रावत, चौतन्य बिष्ट, सुबोध रावत, नीरज बिष्ट, कमेटी के नवीन रावत, सूरज, हिमांशु, संदीप, विनय भंडारी, सौरभ और महावीर रावत आदि शामिल थे।

आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में काम करने वाली महिलाएं सम्मानित

चमोली(संवाददाता)। कर्णप्रयाग के पाडली और लंगासू में महिला दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। देवाल के बस स्टेशन में आयोजित भेंटुली महोत्सव में गांवों से पहुंचे 47 महिला मंगल दलों व नीलेश्वर कला मंच ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। साथ ही महिला समूह ने यहां अपुण बाजार लगाकर स्थानीय उत्पादों की बिक्री की। विधायक भूपाल राम टम्टा ने इस कार्यक्रम के लिए डेढ़ लाख की घोषणा की। विधायक टम्टा, प्रमुख तेजपाल रावत, प्रमुख व्यवसायी नरेंद्र बिष्ट व खिलाप बिष्ट ने सभी महिला मंगल दलों को सम्मानित किया। वहीं घेस में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत बिष्ट ने महिलाओं को सम्मानित किया। वहीं आदिबदरी में आदिबदरी के भलसों, नगली सहित अन्य गांवों में महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया।

पेंशन बहाली के लिए अप्रैल माह में निकालेंगे बाइक रैली

श्रीनगर संवाददता राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी की ऑनलाइन बैठक हुई जिसमें प्रदेश के विभिन्न विभागों के कार्मिकों ने प्रतिभाग किया। बैठक में वक्ताओं ने अप्रैल माह में देहरादून में बाइक रैली निकालने व मुख्यमंत्री आवास घेराव की चेतावनी दी। मंडलीय मंत्री राजीव उनियाल ने कहा कि वर्ष 2027 से पहले सरकार को पुरानी पेंशन योजना बहाल करनी होगी अन्यथा कर्मचारियों को आंदोलन तेज करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। पुरानी पेंशन बहाली के लिए पूरे देश में व्यापक अभियान चलाया जाएगा। प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रोहित जोशी ने अप्रैल माह में विधानसभा से मुख्यमंत्री आवास तक बाइक रैली निकालने का प्रस्ताव रखा जिस पर सभी सदस्यों ने सहमति जताई। वहीं गढ़वाल मंडल अध्यक्ष शंकर भट्ट ने सवाल उठाया कि जब एक दिन का विधायक या मंत्री पेंशन का हकदार हो सकता है तो कर्मचारियों को यह अधिकार क्यों नहीं दिया जा रहा।

हिन्दी दैनिक जोखिम

विज्ञान शिक्षा में नवाचार के लिए डॉ विजेता बिष्ट सम्मानित

रामनगर संवाददाता अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित एक विशेष समारोह में नैनीताल जनपद की शिक्षिका डॉ विजेता बिष्ट को विज्ञान प्रयोगधर्मी महिला सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद यूकॉस्ट सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग उत्तराखंड शासन तथा दिव्य हिमगिरी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया। देहरादून स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स के ऑडिटोरियम में आयोजित नारी शक्ति सम्मान समारोह में राज्यभर से चयनित महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नारी शक्ति सम्मान के लिए 20 महिलाओं तथा विज्ञान प्रयोगधर्मी महिला सम्मान के लिए 7 महिलाओं का चयन किया गया था। समारोह की मुख्य अतिथि एचएनबी उत्तराखंड चिकित्सा विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ भानु दुग्गल उत्तराखंड राज्य उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष न्यायाधीश डॉ कुमकुम रानी तथा यूकॉस्ट के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने डॉ विजेता बिष्ट को सम्मान प्रदान किया। डॉ विजेता बिष्ट वर्तमान में नैनीताल जनपद के कोटाबाग क्षेत्र स्थित राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कनकपुर में विज्ञान मार्गदर्शक शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने विज्ञान शिक्षा को प्रकृति और पारंपरिक ज्ञान के साथ जोड़कर विद्यार्थियों के लिए अधिक रोचक और उपयोगी बनाने का प्रयास किया है। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय के छात्र विभिन्न विज्ञान गतिविधियों में राज्य स्तर तक प्रतिभाग कर चुके हैं जबकि अब तक 12 छात्रों का चयन इंस्पायर अवार्ड के लिए भी हो चुका है। स्थानीय लोगों और शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए इसे क्षेत्र के लिए गर्व की बात बताया है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री हरीश चंद्र दुर्गापाल के जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की

लालकुआं (संवाददाता)। पूर्व कैबिनेट मंत्री हरीश चंद्र दुर्गापाल के जन्मदिन के अवसर पर उनके आवास पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और समर्थकों का तांता लगा रहा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की।

जन्मदिन के मौके पर आयोजित मुलाकात कार्यक्रम में जहां समर्थकों ने दुर्गापाल का गर्मजोशी से स्वागत किया, वहीं राजनीतिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इस दौरान दुर्गापाल ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने न शिक्षा के क्षेत्र में कोई ठोस कार्य किया और न ही युवाओं को रोजगार देने की दिशा में गंभीर प्रयास किए।उन्होंने कहा कि सड़क, पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है, जिससे प्रदेश की जनता परेशान है। दुर्गापाल ने कहा कि महंगाई अपने चरम पर है और आम आदमी का बजट पूरी तरह बिगड़ चुका है, जबकि प्रदेश लगातार बढ़ते कर्ज के बोझ से जूझ रहा है।इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल ने भी प्रदेश सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार लगातार बढ़ रहा है और सरकारी धन की बर्बादी हो रही है। उन्होंने कहा कि इन जनमुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी 10 मार्च को गैरसैंण (विधानसभा) में घेराव करेगी और सरकार के खिलाफ जोरदार आंदोलन करेगी।कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दुर्गापाल के नेतृत्व में पार्टी को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखने का संकल्प भी लिया।

बच्चा चोरी का आरोप

रुद्रपुर (संवाददाता)। ठाकुर नगर में खेल रहे बच्चों को एक महिला अपने साथ ले जाने लगी। यह देख स्थानीय लोगों ने बच्चा चोरी का आरोप लगाते हुए उसे पकड़ लिया। साथ ही उसकी धुनाई भी की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जानकारी ली और आरोपित महिला को कोतवाली ले गई। जहां जांच में पता चला कि महिला अर्द्ध-विक्षिप्त है और होली के दिन भी खुद को मां काली बताते हुए अपने भोले को खोजते हुए दीवार पर सिर मार रही थी। बाद में पुलिस ने उसे छोड़ दिया।रविवार सुबह 11 बजे के आसपास ट्रांजिट कैंप के ठाकुर नगर मैदान में कुछ बच्चे खेल रहे थे। इसी बीच वहां पर एक महिला पहुंची और बच्चों को अपना बताते हुए अपने साथ चलने के लिए कहने लगी। यह देख बच्चों के माता-पिता के साथ ही आसपास के लोग एकत्र हो गए। उन्होंने बच्चा चोरी का शक जताते हुए महिला को पकड़ लिया और उसकी धुनाई लगा दी। जिससे मौके पर लोगों का जमावड़ा लग गया और अच्छा खासा हंगामा हो गया। इस पर किसी ने सूचना पुलिस को दी।सूचना पर कोतवाली ट्रांजिट कैंप से पुलिस टीम पहुंची और लोगों से जानकारी ली। जिसके बाद पुलिस लोगों से बचाते हुए महिला को कोतवाली ले आई। जहां पहुंचे लोगों ने आरोपित महिला पर कार्रवाई की मांग की। जब पुलिस ने उससे पूछताछ की तो वह बड़बड़ाते हुए अनाप शनाप बक रही थी।एसएसआइ महेश कांडपाल ने बताया कि महिला अर्द्ध-विक्षिप्त है। इससे पहले भी वह होली के दिन कोतवाली आई थी और खुद को मां काली बताते हुए अपने भोले को ढूंढ रही थी। साथ ही दीवार पर भी सिर मार रही थी। महिला के मानसिक हालत को देखते हुए उसे छोड़ दिया गया है। महिला कहां की रहने वाली है उससे पूछताछ करने पर वह कुछ नहीं बता पाई।

महिला दिवस पर पितृसत्ता और पूंजीवाद के गठजोड़ के खिलाफ संघर्ष का संकल्प

हल्द्वानी (संवाददाता)। अखिल भारतीय किसान महासभा बागजाला कमेटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर धरना स्थल के सम्मुख एक निजी आवास पर कार्यक्रम आयोजित किया गया. किसान महासभा बागजाला की अध्यक्ष डॉ उर्मिला रैस्वाल ने कहा कि, हम यहाँ केवल एक औपचारिक दिवस मनाने के लिए नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक संघर्ष की परंपरा को याद करने के लिए एकत्र हुए हैं जिसे दुनिया भर की मेहनतकश महिलाओं ने अपने साहस, संगठन और बलिदान से गढ़ा है।मीना भट्ट ने कहा कि, आज दुनिया के बड़े-बड़े कॉर्पोरेट घराने और सरकारें महिला दिवस को फूलों, विज्ञापनों और प्रतीकात्मक कार्यक्रमों में बदलने की कोशिश करती हैं। लेकिन हमें याद रखना होगा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की असली जड़ें मजदूर आंदोलनों और समाजवादी संघर्षों में हैं।हेमा आर्य ने कहा कि, 20वीं सदी की शुरुआत में पूंजीवाद का तेजी से विस्तार हो रहा था और लाखों महिलाएँ कारखानों में काम करने लगी थीं। लेकिन उनके लिए परिस्थितियाँ बेहद अमानवीय थीं लंबे कार्य घंटे, बहुत कम मजदूरी, और किसी भी प्रकार के श्रम अधिकारों का अभाव। इसी शोषण के खिलाफ 1908 में हजारों महिला मजदूर सड़कों पर उतरीं। उन्होंने नारा दियाख़ रोटी, काम के इंसानी घंटे और राजनीतिक अधिकार। यह संघर्ष केवल आर्थिक नहीं था, यह सामाजिक और राजनीतिक समानता का7 संघर्ष भी था।विमला देवी ने कहा कि, मुक्ति को समझने के लिए हमें समाज की आर्थिक संरचना को समझना होगा। इस वर्ग समाज में शोषण का मूल कारण उत्पादन के साधनों पर निजी स्वामित्व है। महिलाओं के शोषण की शुरुआत तब हुई जब समाज में निजी संपत्ति की स्थापना हुई।नीलम आर्य ने कहा कि, महिलाओं की मुक्ति तभी संभव है जब घरेलू कामों को सामाजिक जिम्मेदारी बनाया जाए और महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाया जाए।

हल्द्वानी सभागार में भव्य "संकल्प सिद्धि सम्मान समारोह" का आयोजन

हल्द्वानी(संवाददाता)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह की पूर्व संध्या पर अनमोल संकल्प सिद्धि फाउंडेशन की ओर से नगर निगम हल्द्वानी सभागार में भव्य "संकल्प सिद्धि सम्मान समारोह" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रही महिलाओं के साथ-साथ देहदान व नेत्रदान का संकल्प लेने वाले समाजसेवियों को सम्मानित कर नारी शक्ति को नमन किया गया।कार्यक्रम का संचालन रिम्पी बिष्ट और नेहा बिष्ट ने किया। समारोह के दौरान प्रस्तुत लघु नाटिका के माध्यम से नारी सम्मान, स्वाभिमान और समाज में उनकी अहम भूमिका को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया।सम्मान समारोह में गीता बिष्ट, कमला नेगी, बचुली देवी, रिंकू नैनवाल, वंदना शर्मा, एकता बिष्ट, रश्मि लमगड़िया, मुक्ता जैन, रेखा पांडे, मोहिनी रावत, जानकी थापा और बेबी मेहर कौर को समाज में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।इस अवसर पर संस्था की उपाध्यक्ष अरुणा टंडन ने देहदान और नेत्रदान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने समाज में नारी सम्मान और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया।संस्थाध्यक्ष सुचित्रा जायसवाल ने बताया कि संस्था पिछले कई वर्षों से देहदान, नेत्रदान, रक्तदान, निर्धन कन्याओं के विवाह, चिकित्सा शिविरों के आयोजन और दिव्यांगजनों को निशुल्क उपकरण उपलब्ध कराने जैसे अनेक सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी संस्था समाजसेवा और महिलाओं के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दर्जा राज्य मंत्री नवीन वर्मा, दर्जा राज्य मंत्री रेनू अधिकारी,नागेश दुबे और सतेंद्र सिंह सम्मी ने सम्मानितजनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए नारी शक्ति के त्याग, समर्पण और समाज निर्माण में उनकी भूमिका की सराहना की।

अनधिकृत गर्भपात कराने के गोरखधंधे का भंडाफोड़ किया

सितारगंज (संवाददाता)। शक्तिफार्म क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित एक क्लीनिक पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापेमारी कर अनधिकृत गर्भपात कराने के गोरखधंधे का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई के दौरान टीम ने गर्भपात में प्रयुक्त प्रतिबंधित दवाइयां और चिकित्सकीय उपकरण बरामद करते हुए क्लीनिक को सील कर दिया।स्वास्थ्य विभाग को लंबे समय से गनेश प्राथमिक चिकित्सालय में महिलाओं और युवतियों के अवैध गर्भपात की शिकायतें मिल रही थीं। सूचना के आधार पर उप जिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. कुलदीप यादव ने शुक्रवार देर शाम अपनी टीम के साथ क्लीनिक का औचक निरीक्षण किया।क्लीनिक का कोई वैध पंजीकरण नहींनिरीक्षण में पाया गया कि क्लीनिक का कोई वैध पंजीकरण नहीं था और संचालिका रंजना गंगवार बिना अनुमति के चिकित्सालय चला रही थी। जांच में यह भी सामने आया कि यहां लंबे समय से अवैध गर्भपात की गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। टीम ने मौके पर 25 वर्षीय अविवाहित युवती का गर्भपात करते हुए संचालिका को रंगे हाथ पकड़ लिया। छापेमारी के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने क्लीनिक से कई प्रतिबंधित दवाइयां और चिकित्सकीय उपकरण बरामद किए, जिनमें एमटीपी किट, मिसोप्रोस्टोल की गोलियां, क्लिंडामाइसिन, कंट्रसेप्ट किट, और अन्य उपकरण शामिल थे।

हिन्दी दैनिक जोखिम

जिले में फायरिंग की झूठी सूचना से पुलिस में हड़कंप मच गया

उधम सिंह नगर (संवाददाता)। /जिले में फायरिंग की झूठी सूचना से पुलिस में हड़कंप मच गया। बाद में जांच में मामला झूठा निकला तो पुलिस ने सूचना देने वाली महिला के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस एक्ट के तहत 10 हजार रुपये का चालान कर दिया।जानकारी के अनुसार डायल 112 पर एक महिला ने पुलिस को सूचना दी कि उसके बेटे पर कुछ लोगों ने फायरिंग कर दी है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए ट्रांजिट कैंप कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक तुरंत पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। टीम में उपनिरीक्षक अकरम अहमद, हेड कांस्टेबल नरेश सामंत और हेड कांस्टेबल किशोर भी शामिल थे।मौके पर पहुंचकर पुलिस ने पूरे मामले की जांच की और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की। जांच में सामने आया कि सूचना देने वाली महिला रानी, पत्नी जमुना प्रसाद, कैकई जगतपुरा में किराये पर रहती हैं। उनका बेटा बोबी चौधरी अपने दोस्तों के साथ नशे की हालत में वैगन-आर कार चला रहा था।ट्रांजिट कैंप कोतवाल प्रभारी निरीक्षक मोहन चंद्र पांडे के अनुसार बोबी चौधरी ने नशे में वाहन चलाते हुए एक गैस वाहन को टक्कर मार दी थी। टक्कर के बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और मारपीट हो गई। चश्मदीद गवाहों ने पुलिस को बताया कि वहां किसी तरह की फायरिंग नहीं हुई थी। जांच में यह भी पता चला कि रानी ने उन युवकों को सबक सिखाने के लिए डायल 112 पर फायरिंग की झूठी सूचना दी थी।झूठी सूचना के कारण पुलिस को अनावश्यक रूप से मौके पर दौड़ना पड़ा और आपातकालीन सेवा का दुरुपयोग हुआ। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने महिला के खिलाफ पुलिस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपये का चालान कर दिया।

कुर्मांचल बैंक शाखा में आग लग गई

हल्द्वानी (संवाददाता)। /देवलचौड़ स्थित कुर्मांचल बैंक शाखा में एकाएक आग लग गई। इससे अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस और दमकल की टीमें पहुंचीं। दमकल विभाग ने कड़ी मेहनत के बाद आग को फैलने से रोकते हुए उसे काबू कर लिया।घटना में बैंक को भारी नुकसान हुआ है और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज व फाइलें जलकर राख हो गई हैं। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए जांच जारी है।मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौरव किरार ने बताया कि आग की सूचना मिलते ही दमकल की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और समय रहते आग पर नियंत्रण पाया गया। घटना के दौरान सीएफओ सहित दमकल विभाग और पुलिस के कई अधिकारी और कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे।

सघन चेकिंग अभियान चलाया

लालकुआं (संवाददाता)। जिलाधिकारी के आदेश और संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन एवं सड़क सुरक्षा) के निर्देश पर लालकुआं क्षेत्र में परिवहन विभाग ने ओवरलोडिंग और यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान 116 वाहनों के चालान किए गए, जबकि 5 वाहनों को सीज किया गया। अभियान के तहत मानकों को ताक पर रखकर फर्राटा भर रहे वाहनों पर तीन लाख तीस हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।गौला नदी से लालकुआं गेट पर खनिज निकासी के दौरान ओवरलोडिंग की मिल रही शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई। बरेली रोड और रामपुर रोड पर विशेष रूप से सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।यह अभियान एआरटीओ (प्रवर्तन) जितेंद्र सांगवान के नेतृत्व में चलाया गया। उनके साथ परिवहन कर अधिकारी अनुभा आर्य, परिवहन कर अधिकारी अपराजिता पांडेय, परिवहन उपनिरीक्षक आरसी पवार, गिरीश कांडपाल और नंदन सहित अन्य अधिकारियों और टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर चेकिंग की।इस दौरान एआरटीओ जितेंद्र सांगवान ने वन विकास निगम की चौकी का निरीक्षण कर वहां तैनात कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में निर्धारित क्षमता से अधिक खनिज माल का लदान न किया जाए। उन्होंने चौकी के रिकॉर्ड की भी जांच की।अन्य टीमों ने यात्री वाहनों की भी चेकिंग की, जिसमें ओवरलोडिंग और सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई।आरटीओ (प्रवर्तन एवं सड़क सुरक्षा) हल्द्वानी संभाग अरविंद पांडेय ने सभी टीमों को निर्देश दिए हैं कि ओवरलोडिंग करने वाले मालवाहन, डंपर, ट्रैक्टर-ट्रॉली और अनधिकृत रूप से संचालित वाहनों के खिलाफ आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रखी जाए।परिवहन विभाग के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

महिला सशक्तिकरण के लिए जागरूकता जरूरी : शबाना सैफी

रामनगर (संवाददाता)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नारी शक्ति एवं बाल विकास जन जागृति समिति द्वारा महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्र की महिलाओं ने भाग लिया और महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। समिति की अध्यक्ष शबाना सैफी ने जानकारी देते हुए बताया कि आज के दौर में महिलाओं का सशक्त और आत्मनिर्भर होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि महिलाएं समाज की आधी आबादी हैं और उनके बिना समाज का समुचित विकास संभव नहीं है। इसलिए महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों की जानकारी होना बहुत जरूरी है। जब महिलाएं शिक्षित और जागरूक होंगी तभी वे अपने परिवार, समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगी। महिला दिवस का उद्देश्य केवल एक दिन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि पूरे वर्ष महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए कार्य करना चाहिए।शबाना सैफी ने बताया कि नारी शक्ति एवं बाल विकास जन जागृति समिति लगातार क्षेत्र में महिलाओं और बच्चों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। समिति समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर, शिक्षा से जुड़े अभियान और सामाजिक मुद्दों पर बैठकें आयोजित करती रहती है।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। साथ ही बेटियों की शिक्षा, महिला सुरक्षा, घरेलू हिंसा के खिलाफ कानून और आत्मनिर्भर बनने के तरीकों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।इस अवसर पर कई महिलाओं को उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने महिला सशक्तिकरण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संदेश दिया।कार्यक्रम का समापन महिला सशक्तिकरण के नारों और जागरूकता संदेशों के साथ किया गया। नारी शक्ति एकेडमी द्वारा आयोजित कार्यक्रम शबाना सैफी, मानताश, सोनिया, अनम, शबीना, शमा, जया जोशी, साहिल, आदिल खान, तरुण जोशी आदि मौजूद रहे।

महिला एकता मंच ने युद्ध विरोधी मनाया

रामनगर (संवाददाता)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला मंच एकता मंच द्वारा ग्राम पूछड़ी रामनगर में आयोजित युद्ध विरोधी सभा में महिलाओं ने एक स्वर में ईरान पर इजरायल और अमेरिका द्वारा किए गए हमले को मानवता पर हमला बताते हुए इसके खिलाफ समुचित दुनिया की जनता से एकजुट होने की अपील की।सरस्वती जोशी ने महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाएं ना तो आज घर के भीतर सुरक्षित है और ना ही घर के बाहर। देश में 70 प्रतिशत से भी अधिक महिलाएं घरेलू हिंसा की मार झेल रहीं हैं। कामगार महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले कम वेतन दिया जाता है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की सरकार ही महिलाओं की सबसे बड़ी शोषक है और वह स्वयं ही भोजन माता, आंगनबाड़ी और आशा वर्कर को न्यूनतम वेतन और सामाजिक सुरक्षा देने के लिए तैयार नहीं है।समाजवादी लोक मंच के संयोजक मुनीष कुमार ने कहा कि अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमला परमाणु हथियार रोकने के लिए नहीं बल्कि वहां पर मौजूद कच्चे तेल और प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा करने के लिए है। अमेरिका ने 2003 में इराक पर मानव विनाशक हथियारों के निर्माण का आरोप लगाकर हमला किया था और वहां के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को फांसी पर लटका दिया।अमेरिका दुनिया में किसी का भी दोस्त नहीं है। पिछले 25 वर्षों में अमेरिका हमला करके 10 लाख लोगों को मार चुका है। जो भी उसके मुनाफा और लूट में बाधा डालता है, अमेरिका उसके खिलाफ हो जाता है। मुनीष कुमार ने कहा कि भारत सरकार द्वारा अमेरिका से की गई ट्रेड डील भारत की संप्रभुता से खिलवाड़ है। अमेरिका द्वारा भारत को रुस से तेल खरीदने और न खरीदने के लिए निर्देशित करना बेहद शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि दुनिया में जब तक पूंजीवाद और साम्राज्यवादी लूट रहेगी तब तक इस तरह के युद्ध होते रहेंगे और लाखों लाख लोग उसमें मरते रहेंगे। इन युद्धों को रोकने का एक ही तरीका है की समूची दुनिया की मेहनतकश जनता एकजुट होकर इन लुटेरी सरकारों को सत्ता से बेदखल करे और समाजवाद की स्थापना करे।कौशल्या ने कहा कि भारत में भी गरीब मेहनतकश जनता अपने ही द्वारा चुनी गई सरकार के हमले का सामना कर रही है।

महिला कामगारों को अधिकार व सम्मान देने की की मांग करते हुए गोष्ठी की

रुद्रपुर (संवाददाता)। अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला संगठन(एपवा) ने महिलाओं के संघर्षों को याद करते हुए गोष्ठी की और महिला कामगारों को अधिकार व सम्मान देने की की मांग करते हुए गोष्ठी की।एपवा संयोजक शोभना ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का इतिहास मार्च 1908 में महिला मजदूर आंदोलन, 28 फरवरी 1909 में महिला मजदूर आंदोलन , 1910 में डेनमार्क में महिलाओं के सम्मेलन, 8 मार्च 1914 को युद्ध के खिलाफ यूरोप की महिलाओं का प्रदर्शन और 8 मार्च 1917 को देश को बर्बाद और नरसंहार में बदल देने वाले युद्ध के खिलाफ रूस की कामगार महिलाओं की हड़ताल में निहित है। ष्ोटी और शांतिष् के लिए कि गई हड़ताल ने रूस के जार का तख्तापलट कर दिया।8 मार्च 1913 से हर साल अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पूरी दुनिया में मनाया जाता है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

ऑपरेशन ड्रीम थिएटर से प्रियंका मोहन का विंटेज फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी

666: ऑपरेशन ड्रीम थिएटर लॉन्च होने के बाद से ही लगातार चर्चा में है। पहले से ही सितारों से सजी इस फिल्म में अब नई एंट्री हुई है बहुचर्चित अभिनेत्री प्रियंका मोहन की, और टीम ने अब फिल्म से उनके फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी कर दिए हैं।

दो अलग-अलग पोस्टरों में प्रियंका का लुक डिजाइन और कहानी दोनों ही मायनों में खास है। पोस्टरों में उन्हें विंटेज और सपनों जैसी खूबसूरती में दिखाया गया है, जिसमें बारीकी से देखने पर ही असली बात समझ आती है।

पहले पोस्टर में, वह सुनहरे पूर्णिमा के भव्य चंद्रमा की पृष्ठभूमि में लैवेंडर ब्लाउज और फूलों वाली स्कर्ट पहने हुए दिखाई देती हैं। पोस्टर अपने रंग संयोजन और संरचना के माध्यम से पुराने परिवेश को आधुनिक शैली के साथ खूबसूरती से मिलाता है। प्रशंसकों ने पहले ही इस लुक में दिखाई देने वाले ईयरफोन पर ध्यान दिया है, जिससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि फिल्म में समय यात्रा के तत्व शामिल हो सकते हैं।

दूसरे पोस्टर में उन्हें रेट्रो-प्रेरित अवतार में दिखाया गया है, जिसमें उन्होंने मोती के गहने, फूलों वाली ड्रेस, दस्ताने और चौड़ी किनारी वाली टोपी पहनी है - यह छवि विंटेज-थीम वाले थ्रिलर के लिए एकदम उपयुक्त है। पोस्टर जितना दिखाता है उससे कहीं अधिक छुपाता है, जिससे उनके किरदार में रहस्य की परतें जुड़ जाती हैं। सौम्य रंग और क्लासिक स्टाइल कालातीत सिनेमा के आकर्षण को जगाते हैं, जिससे किरदार और फिल्म दोनों के चारों ओर रहस्यमय आभा और भी बढ़ जाती है।

ये दृश्य एक अद्वितीय कथात्मक ब्रह्मांड की ओर इशारा करते हैं जहां भव्यता, रहस्य और कल्पना का संगम होता है, जिससे फिल्म की रिलीज से पहले उत्सुकता और बढ़ जाती है।

666: ऑपरेशन ड्रीम थिएटर ने डॉ. शिव राजकुमार और धनंजय के पहले लुक से लेकर विशाल सेटों की झलक, विंटेज कैमरों तक, लगातार अपडेट जारी करके दर्शकों को बांधे रखा है। निर्माताओं ने रहस्य से भरी दुनिया बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है और अब जनवरी में एक विशेष वीडियो जारी करने की तैयारी में हैं।

इस फिल्म का निर्माण डॉ. वैशाक जे. गौड़ा ने वैशाक जे. फिल्म्स बैनर के तहत किया है और इसका निर्देशन हेमंत एम. राव ने किया है। उनके विश्वसनीय सहयोगी चरण राज (संगीत निर्देशक) और अद्वैत गुरुमूर्ति (सिनेमैटोग्राफर) अपने-अपने विभागों का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि विश्वास कश्यप प्रोडक्शन डिजाइनर और इंचारा सुरेश कॉस्ट्यूम डिजाइन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

धनंजय अभिनीत फिल्म 666: ऑपरेशन ड्रीम थिएटर में डॉ. शिव राजकुमार की भी अहम भूमिका है और इसकी शूटिंग के तीन शेड्यूल पूरे हो चुके हैं। बड़े बजट और भव्यता से निर्मित इस फिल्म को तेलुगु और कन्नड़ भाषाओं में एक साथ रिलीज करने की योजना है।

बर्फबारी और कड़कती ठंड में बिकिनी पहन इतराईं अहाना कुमरा, बर्फीले पूल में डूबकर दिए ऐसे-ऐसे पोज

एक्ट्रेस अहाना कुमरा जॉर्जिया की कड़कड़ाती ठंड में न्यू ईयर वेकेशन एंजॉय कर रही हैं. बर्फीले पहाड़ और ठंडे पूल से एक्ट्रेस ने अपनी सिजलिंग फोटोज शेयर की हैं. ठिठुरती ठंड में एक्ट्रेस का बिकिनी अवतार हर किसी को हैरान कर रहा है.अहाना ने इंस्टाग्राम पर अपनी ट्रिप की फोटोज पोस्ट की हैं. इनमें वो बर्फबारी के बीच बिकिनी पहने नजर आ रही हैं.पिंक कलर की बिकिनी पहने एक्ट्रेस को पूल साइड बैठे देखा जा सकता है. यहां अहाना स्नोफॉल को महसूस करती नजर आ रही हैं.इस फोटो में अहाना पूल में डूबकर पोज देती दिखाई दे रही हैं. इस बर्फीले मौसम में एक्ट्रेस काफी एंजॉय कर रही हैं.इन फोटोज के साथ अहाना ने कैप्शन में लिखा- बर्फ गिर रही है, भाप उठ रही है. हर दिन पूल में मस्ती.

एक्ट्रेस आगे लिखती हैं- 2025 को यादगार बनाने वाली दोस्ती, प्यार और जीत के लिए बहुत आभारी हूं. अलविदा. .. और एक बड़े, साहसी और कामयाब 2026 में एंट्री. चलो जीत हासिल करें. नया साल मुबारक.दूसरी तरफ अहाना की इन तस्वीरों पर फैंस भी रिएक्ट कर रहे हैं. एक्ट्रेस तनाज ईरानी ने लिखा- तुम फ्रीज नहीं हो रहीं. वहीं एक फैन ने लिखा- आपको ठंड नहीं लग रही? एक और फैन ने कमेंट किया- मुझे तो ये फोटो देखकर ही जुकाम हो गया.

आलिया भट्ट की लव एंड वार फिर आगे खिसकी, रामायण के निर्माताओं की चिंता बढ़ी

संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बन रही फिल्म लव एंड वार रिलीज से पहले ही कछुए की चाल चल रही है। कई साल तक टलने के बाद, 2025 में फिल्म की शूटिंग शुरू हुई। इसे जून, 2026 में रिलीज किया जाना था। अब ताजा अपडेट है कि निर्माताओं ने इस नेक काम को आगे बढ़ा दिया है, जिससे रिलीज आगे खिसक गई है। निर्माताओं के इस फैसले ने रामायण के निर्देशक नितेश तिवारी की चिंता बढ़ा दी है।रिपोर्ट के मुताबिक, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल की लव एंड वार की शूटिंग को मई, 2026 तक बढ़ा दिया गया है। सूत्र ने बताया, रणबीर, आलिया और विक्की ने अब मई, 2026 तक अपना कैलेंडर बुक कर लिया है। लव एंड वॉर के लिए शूटिंग के दिनों में बढ़ोतरी की वजह से उनकी सभी पूर्व प्रतिबद्धताएं स्थगित हो गई हैं। निर्माता अगस्त या सितंबर, 2026 तक लव एंड वार रिलीज करने की कोशिश कर रहे हैं।

रणबीर ने भंसाली से अनुरोध किया था कि लव एंड वार जून, 2026 में रिलीज हो, लेकिन ऐसा होना अब मुमकिन नहीं लगता है। दरअसल, अभिनेता चाहते थे कि उनकी दोनों फिल्मों, रामायण और लव एंड वार की रिलीज के बीच लगभग 6 महीने का अंतराल हो। भंसाली के फैसले ने रामायण निर्माताओं की चिंता बढ़ा दी है क्योंकि उन्होंने नवंबर, 2026 में फिल्म रिलीज की योजना बनाई है। लव एंड वार की रिलीज तारीख जल्द घोषित हो सकती है।

थलपति विजय की फाइनल फिल्म से पहला हिंदी इमोशनल ट्रैक रिलीज, जिये तेरे ही सहारे बना लोगों का एंथम

थलपति विजय की मच अवेटेड और आखिरी फिल्म श्जन नेता को लेकर दर्शकों का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है. जैसे-जैसे फिल्म अपनी रिलीज के करीब पहुंच रही है, इसका क्रेज हर दिन नए स्तर छू रहा है. ओवरसीज मार्केट में पहले ही धमाल मचाने के बाद अब मेकर्स ने फिल्म का पहला हिंदी गाना श्जिये तेरे ही सहारेश् रिलीज कर दिया है, जो रिलीज होते ही लोगों के दिलों को छू रहा है.फिल्म ने ओवरसीज प्री-सेल्स में 750के + ग्रॉस कलेक्शन कर यह साफ कर दिया है कि श्जन नेताश् सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़ा इमोशनल और कल्चरल मूवमेंट बनने जा रही है. ऐसे में श्जिये तेरे ही सहारे इस फिल्म की इमोशनल और वैचारिक आत्मा बनकर सामने आया है.इस गाने को मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया है, जबकि इसे श्री कृष्णा और विशाल मिश्रा ने अपनी दमदार आवाज दी है. गाने में भक्ति, विश्वास और दृढ़ संकल्प की भावना साफ झलकती है. इसके बोल रितेश आर. राव ने लिखे हैं, जो लोगों और उनके नेता के बीच के अटूट रिश्ते को बेहद प्रभावशाली तरीके से बयां करते हैं.विजुअल्स की बात करें तो श्जिये तेरे ही सहारेश् थलपति विजय के स्वैग और मकसद को पूरी मजबूती के साथ पेश करता है. गाने में विजय एक जीप में नजर आते हैं, जहां उनका करिश्मा और नेतृत्व क्षमता साफ दिखाई देती है.

धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर फिर लगाई छलांग, जवान को पीछे छोड़ने से इतनी दूर

आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म धुरंधर बॉक्स ऑफिस पर अपनी शानदार पकड़ बनाए हुए है। रणवीर सिंह द्वारा अभिनीत यह फिल्म रिलीज के चौथे हफ्ते में, भारत में 700 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। वहीं दुनियाभर में 1,100 करोड़ का आंकड़ा सफलतापूर्ण तरीके से पार कर चुकी है। अब इसका मकसद शाहरुख खान की फिल्म जवान को पीछे छोड़ना है। धुरंधर की कमाई में 25वें दिन गिरावट आई थी, लेकिन अगले ही दिन इसने फिर छलांग लगाई है।

सैकनिल्क के मुताबिक, धुरंधर ने रिलीज के 26वें दिन 11.25 करोड़ का कारोबार किया है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

पेंशनर्स की एकता जरूरी, 2040 के बाद ढूंढने से भी नहीं मिलेंगे पेंशनर: भट्ट

हरिद्वार(संवाददाता)। पूर्व आईएएस अफसर चंद्रशेखर भट्ट ने कहा है कि देश में पेंशनर्स की संख्या लगातार घटती रही है। वर्ष 2040 के बाद ऐसी स्थिति भी आ सकती है कि पेंशनर्स ढूंढने से भी नहीं मिलेंगे। इसलिए, पेंशनर्स की एकता और संगठन पहले से अधिक जरूरी हो गया है। वे रविवार को ऋषिकुल ऑडिटोरियम में गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन (जीपीडब्ल्यूओ) के रजत जयंती महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि राजशाही काल में सेवकों की आर्थिक सुरक्षा के लिए पेंशन व्यवस्था शुरू की गई थी, पर समय के साथ इसके स्वरूप में बदलाव किया जाता रहा। उन्होंने पेंशनर्स से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और संगठित रहने का आह्वान किया। अति विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड आयुर्वेद विवि के पूर्व कुलपति प्रो. सुनील कुमार जोशी ने कहा कि बढ़ती उम्र में आपसी मेलजोल, सामाजिक सक्रियता और संगठनात्मक गतिविधियां बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं। उत्तराखंड संस्कृत विवि के कुलपति प्रो. रमाकांत पांडेय ने राष्ट्र और समाज निर्माण में पेंशनर्स की महत्वपूर्ण भूमिका को बताया। जिलाध्यक्ष बीपी चौहान की अध्यक्षता, महामंत्री जेपी चाहर और प्रकाश जोशी के संयुक्त संचालन में आयोजित इस महोत्सव में विभिन्न जिलों से पहुंचे वक्ताओं ने सेवानिवृत्ति के बाद भी पेंशनर्स की सामाजिक और राष्ट्रीय विकास में उपयोगिता पर जोर दिया। दूसरे सत्र में फूलों की होली के साथ समापन हुआ। इस दौरान एमपी सिंह गोयल, मिट्ठन लाल शर्मा, अतर सिंह, वीके गुप्ता, ओपी तिवारी, एमके अग्रवाल, बीपी सिंह सैनी, सुखवंश सिंह और आरडी अग्रवाल सहित कई सदस्य पहुंचे।गोल्डन कार्ड से जुड़ीं समस्याएं उठाईइस अवसर पर महामंत्री जेपी चाहर ने 11 सूत्रीय मांगपत्र भी रखा। उन्होंने आठवें वेतन आयोग की ओर से पेंशन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर नजर बनाए रखने की जरूरत बताई। गोल्डन कार्ड से जुड़ी समस्याएं, नोशनल इंक्रीमेंट और पेंशनर्स दिवस जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की गई। सेवानिवृत्त अर्थ संख्याधिकारी आरके जोशी की संपादित 'सेकेंड इनिंग' स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

पानी-पूरी लोकगीत सुनकर झूम उठी महिलाएं

रुड़की(संवाददाता)। ब्रह्माकुमारीज के रुड़की सेवा केंद्र पर रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्र प्रभारी राजयोगिनी बीके गीता ने की। समारोह में बैंगलोर कर्नाटक की सावित्रीबाई फुले साहित्यिक संस्था अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध लोक गायिका डॉ. सुनीता सैनी गुड्डी ने श्मैं तो पानी-पूरी खाऊंगी री मांइ गीत सुनाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा वैश्विक स्तर पर किये जा रहे नारी सशक्तीकरण व विश्व शांति प्रयासों की सराहना की। आईआईटी रुड़की की डीन रही डॉ.. रमा भार्गव ने कहा कि पुरुष प्रधान समाज मे नारी को अपनी योग्यता सिद्ध करनी पड़ती है, जबकि पुरुषों के साथ ऐसा नहीं है। उन्होंने भेदभाव रहित समाज की स्थापना पर जोर दिया। आईआईटी रुड़की की डिप्टी रजिस्ट्रार मेजर नीति उपाध्याय, महिला चिकित्सक डॉ. वंदना ग्रोवर और देवबंद राजकीय चिकित्सालय की चिकित्साधिकारी डॉ. पुनिता शर्मा ने कहा कि नारी शक्ति ने हर कदम पर खुद को साबित किया है। कार्यक्रम में महिला अतिथियों व सभागार में मौजूद प्रतिभागी महिलाओं का पटका पहनाकर सम्मान किया गया। इस मौके पर बीके दीपिका, डॉ. सुनीता, सपना, पारुल, डॉ. अजय भार्गव, बिजेंद्र सैनी, गोपाल नारसन, डॉ. नवनीत शर्मा, कृष्ण छाबड़ा, रश्मि त्यागी, राजबाला, अमरेश, रेखा, कमलेश आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार...

महिला दिवस पर गंगा घाटों की महिला स्ट्रीट वेंडर्स का सम्मान

हरिद्वार(संवाददाता)। हरिद्वार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बुजुर्ग स्ट्रीट वेंडर्स को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। अलकनंदा घाट पर लघु व्यापार एसोसिएशन के इस कार्यक्रम का संयोजन प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने किया। रविवार को चोपड़ा ने कहा कि गंगा घाट पर बिंदी, चूड़ी और माला बेचकर अपने परिवार का पालन-पोषण करने वाली महिला स्ट्रीट वेंडर्स को आज भी सशक्तीकरण की असल जरूरत है। उन्होंने सरकार से मांग उठाई कि मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता प्रोत्साहन योजना के तहत गंगा घाट और फुटपाथ पर लघु कारोबार करने वाली महिलाओं का सर्वे कराया जाए और योजनाबद्ध तरीके से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं।लघु व्यापार एसोसिएशन महिला मोर्चा की नगर संयोजक कामिनी मिश्रा ने कहा कि छोटे-छोटे मेलों के समय महिला वेंडर्स को कई बार प्रशासन हटा देता है, जो अन्यायपूर्ण है। समाज कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाली महिलाओं तक नहीं पहुंच पाता, जो महिला सशक्तीकरण के उद्देश्य के विपरीत है। इस कार्यक्रम में कामिनी मिश्रा, पुष्पा दास, इंदिरा देवी, कस्तूरी, सीमा, शांति देवी, कला देवी, मधु, सावित्री, बबली, सुमन गुप्ता, मंजू पाल, सोमवती, तुलसी, राधा, ज्योति देवी, पूनम, विमल और कलादेवी सहित अनेक महिलाओं को सम्मानित किया गया।

पुरानी रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला, बाइक तोड़ी

रुड़की(संवाददाता)। ग्राम मुंडलाना में गो तस्करी की शिकायत करने से नाराज दबंगों ने एक व्यक्ति को घर में घुसकर लाठी-डंडों से बेरहमी से पीट दिया। हमले में उसे गंभीर चोटें आई हैं। आरोपियों ने पीड़ित की बाइक भी क्षतिग्रस्त कर दी, जिसकी पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। टांडा भंहेडा निवासी रोहताश अली ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह बीते चार मार्च को मुंडलाना गांव में अपने परिचित राव अख्तर के घर गए थे। दोपहर करीब 2:30 बजे गांव के ही संजय, सोनू, तालिब, गालिब, आमिल और तसव्वर एक राय होकर घर में घुस आए और उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि हमलावर क्षेत्र में पशु तस्करी की गतिविधियों में लिप्त रहते हैं। रोहताश ने पूर्व में इनकी शिकायत उच्चाधिकारियों से की थी, जिससे ये लोग उससे रंजिश रखने लगे थे। हमले में रोहताश के हाथ और पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं। मारपीट के दौरान आरोपियों ने रोहताश की बाइक को भी बुरी तरह तोड़ दिया। यह पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित ने बताया कि वह किसी तरह जान बचाकर वहां से भागा, लेकिन आरोपियों ने काफी दूर तक उसका पीछा किया और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित ने सीसीटीवी फुटेज के साक्ष्यों के साथ पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के खिलाफ यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन

हरिद्वार(संवाददाता)। रसोई गैस के दाम में 60 रुपये की बढ़ोतरी के विरोध में रविवार को यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ऋषिकुल तिराहे पर प्रदर्शन किया। कार्यकारी अध्यक्ष विशाल प्रधान के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए। घरेलू सिलेंडर की बढ़ी कीमतें वापस लेने की मांग जोर-शोर से उठाई। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोम त्यागी ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण आम आदमी पर महंगाई का बोझ बढ़ता जा रहा है। रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का घरेलू बजट बिगड़ रहा है। कांग्रेस नेता मनोज सैनी ने कहा कि सरकार को तुरंत रसोई गैस के दाम कम करने चाहिए, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके। पूर्व सभासद अशोक शर्मा ने कहा कि महंगाई से जनता परेशान है, लेकिन सरकार जनसमस्याओं को अनदेखा कर रही हैइस प्रदर्शन में सरिता शर्मा, अनिल ठाकुर, धर्मपाल, आनंद राठौर, राहुल राठौर, निखिल सोदाई, जावेद आलम, नरेंद्र जोगी, ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्र, विष्णु, शुभम रावत, शिवम वाल्मीकि, अक्षय सैनी, मुस्तकीम, दीपक गौतम, जीतू, सार्थक ठाकुर, रवि विमल और सौरभ सैनी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।रसोई चलाना मुश्किल कर दिया: प्रधानयूथ कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष विशाल प्रधान ने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाकर सरकार ने आम लोगों के लिए रसोई चलाना मुश्किल कर दिया है। कांग्रेस नेता संजय सैनी ने चेताया कि यदि रसोई गैस की कीमतें कम नहीं की गईं तो कांग्रेस बड़ा आंदोलन करेगी।

महिला दिवस पर गंगा घाटों की महिला स्ट्रीट वेंडर्स का सम्मान

हरिद्वार(संवाददाता)। हरिद्वार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बुजुर्ग स्ट्रीट वेंडर्स को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। अलकनंदा घाट पर लघु व्यापार एसोसिएशन के इस कार्यक्रम का संयोजन प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने किया। रविवार को चोपड़ा ने कहा कि गंगा घाट पर बिंदी, चूड़ी और माला बेचकर अपने परिवार का पालन-पोषण करने वाली महिला स्ट्रीट वेंडर्स को आज भी सशक्तीकरण की असल जरूरत है। उन्होंने सरकार से मांग उठाई कि मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता प्रोत्साहन योजना के तहत गंगा घाट और फुटपाथ पर लघु कारोबार करने वाली महिलाओं का सर्वे कराया जाए और योजनाबद्ध तरीके से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं।लघु व्यापार एसोसिएशन महिला मोर्चा की नगर संयोजक कामिनी मिश्रा ने कहा कि छोटे-छोटे मेलों के समय महिला वेंडर्स को कई बार प्रशासन हटा देता है, जो अन्यायपूर्ण है।

अधिवेशन में बुजुर्गों और अतिथियों को किया सम्मानित

रुड़की(संवाददाता)। गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन का रविवार को 32वां वार्षिक अधिवेशन धूमधाम से आयोजित किया गया। अधिवेशन में 90 वर्ष से अधिक आयु के सात सदस्यों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही स्मारिका 2026 का भी विमोचन किया गया। रविवार को आयोजित अधिवेशन की अध्यक्षता संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष बची सिंह रावत ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उत्तराखंड संस्कृत भारती के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आनंद भारद्वाज रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सीएमएस डॉ. अरविंद कुमार मिश्रा, कोषागार के कोषाधिकारी शिवेंद्र कुमार व नगर विधायक प्रदीप बत्रा रहे। सभी अतिथियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप जलाकर और मां सरस्वती की वंदना के साथ किया। कार्यक्रम में संगठन के वरिष्ठ सदस्यों को उनकी आयु के आधार पर माला, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं 90 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सात सदस्यों को विशेष सम्मानित किया गया। इस मौके पर स्मारिका 2026 का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में रुड़की के ब्रांड एंबेसडर यतेंद्र कुमार चौधरी, मोनू जलवीर और तेजस्व को भी उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। अध्यक्ष बची सिंह रावत ने शाखा द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उत्तराखंड में रुड़की शाखा को प्रथम स्थान देने की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान विधायक प्रदीप बत्रा ने रुड़की के वरिष्ठ नागरिकों के लिए डे-केयर यूनिट स्थापित कराने का आश्वासन दिया। इस यूनिट के बाद वरिष्ठ नागरिकों को मनोरंजन और स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। कार्यक्रम में अंबाला से पहुंचे भारत पेंशन समाज के उपाध्यक्ष हंस राज माही ने भी उपस्थित होकर मार्गदर्शन दिया। इस मौके पर अध्यक्ष कुलदीप अग्रवाल, महासचिव बालोराम चौहान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ऋषिपाल चौहान, एसके शर्मा आदि मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवम मुद्रक संजीव पंत द्वारा 19.सी, सुभाष रोड, पैसेफिक होटल के पीछे डूंगा हाउस देहरादून से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन्स डी-2, शिवलोक कालोनी लाडपुर, ब्लॉक रायपुर काली मन्दिर के पास, देहरादून से मुद्रित। सम्पादक - संजीव पंत , फोन नं0- 0135-2712118 , प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/33537 email: jokhimdehradun2006@gmail.com